लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही सरकार, 15 लाख करोड़ का निवेश किया हासिल

समिट से पहले ही 9.10 लाख करोड़ के एमओयू पर हुए हस्ताक्षर | 8400 मिले निवेश प्रस्ताव | सात हजार से भी ज्यादा एमओयू में तब्दील

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के जरिए 17 लाख करोड़ रुपये का निवेश लक्ष्य जुटाने की प्रदेश सरकार की कोशिशें अब परिणाम में तब्दील होने लगी हैं। यूपी जीआइएस से एक माह पूर्व ही करीब 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सरकार के स्तर पर हासिल कर लिए गए हैं। उपलब्धि यह रही कि सरकार ने 10 जनवरी तक 9.10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को समझौता ज्ञापन (एमओयू) में परिवर्तित भी कर दिया है। बता दें कि यूपी जीआइएस का पहला लक्ष्य दस लाख करोड़ ही था, जिसे मंत्रियों के विदेश दौरे के बाद बढ़ाकर 17 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया था।

दो विभागों ने पार किया एक लाख करोड़ का आंकड़ा : जीआइएस के लिए सरकार की ओर से सभी विभागों को निवेश जुटाने का लक्ष्य दिया गया था। इनमें दो विभागों ने एमओयू के माध्यम से सबसे ज्यादा निवेश हासिल किया। यूपीनेडा को 60 हजार करोड़ के निवेश का लक्ष्य मिला था, लेकिन विभाग ने लक्ष्य से तीन गुणा अधिक 1.73 लाख करोड़ के एमओयू किए हैं। इसी तरह यूपीसीडा को एक लाख करोड़ रुपये का संशोधित लक्ष्य मिला था और उसने एक लाख करोड़ से ज्यादा के एमओयू करने में सफलता प्राप्त की है।

23 सेक्टर में पूरी हुई एमओयू की प्रक्रिया : सरकार की ओर से कुल 37 सेक्टर को निवेश के लिए चिह्नित किया गया था। इनमें 23 सेक्टर में एमओयू की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। 10 जनवरी तक पर्यटन विभाग ने 38 हजार करोड़ से ज्यादा के एमओयू कर लिए हैं। उन्हें 40 हजार करोड़ का लक्ष्य दिया गया था। इसी तरह ऊर्जा विभाग ने एक लाख करोड़ के संशोधित लक्ष्य के सापेक्ष 75 हजार से अधिक के एमओयू किए हैं। यमुना एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (यीडा) ने 80 हजार करोड़ के संशोधित लक्ष्य की तुलना में 57 हजार करोड़ से अधिक के निवेश हासिल किए हैं।

आइटी एंड इलेक्ट्रानिक्स डिपार्टमेंट को सबसे ज्यादा 1.60 लाख करोड़ का लक्ष्य दिया गया था, लक्ष्य के सापेक्ष विभाग ने अब तक 97 हजार करोड़ से एमओयू पर सहमति प्राप्त कर ली है। एमएसएमई ने 55 हजार करोड़ और हैंडलूम व टेक्सटाइल ने भी करीब 27 हजार करोड़ के एमओयू किए हैं। आइआइडीडी ने भी 53 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं।

1400 से ज्यादा निवेश के प्रस्ताव प्रगति पर

निवेश सारथी पोर्टल के डैशबोर्ड के अनुसार प्रदेश सरकार को 8400 से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें से सात हजार प्रस्तावों को प्रदेश सरकार एमओयू में तब्दील करने में सफल रही है। अभी भी 1400 से ज्यादा निवेश के प्रस्ताव प्रगति पर हैं, जिनका अनुमानित निवेश 3.76 लाख करोड़ रुपये है।

जापान-दक्षिण कोरिया की कंपनियों से हुआ 18,350 करोड़ का एमओयू

जापान और दक्षिण कोरिया की कंपनियां उप्र में 18,350 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर हाल ही में सरकार और इन दोनों देशों की चार कंपनियों के बीच एमओयू हुआ है। यह निवेश 16700 युवाओं को मैन्युफैक्चरिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग में रोजगार मुहैया कराएगा। जापान इंडिया इंडस्ट्री प्रमोशन एसोसिएशन और निसेनकेन क्वालिटी इवैल्यूएशन सेंटर टोक्यो लेबोरेटरी यूपी में कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग में क्रमश: 2500 और दस हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। इससे 15 हजार रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अपशिष्ट प्रबंधन में वन वर्ल्ड कारपोरेशन पांच हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी और करीब 1500 लोगों को रोजगार देगी। वहीं, सीको एडवांस लिमिटेड मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 850 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और करीब 200 लोगों को नौकरी देगी।

दिल्ली में टीम यूपी का रोड शो आज, निवेश संभावनाओं पर होगी बात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023 में निवेशकों को आमंत्रित करने की कड़ी में शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रदेश सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों की टीम रोड शो करेगी। दिल्ली के ओबराय होटल में उद्यमियों के साथ सुबह से ही बिजनेस टू गवर्नमेंट (बीटूजी) मीटिंग का दौर शुरू होगा जो शाम तक चलेगा। बीटूजी मीटिंग और रोड शो के दौरान प्रदेश की टीम दिल्ली के उद्यमियों से उप्र में निवेश की संभावनाओं और अवसरों पर चर्चा करेगी।

दिल्ली रोड शो में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, अरविंद कुमार शर्मा, लक्ष्मी नारायण चौधरी, राज्य मंत्री संदीप सिंह, कपिल देव अग्रवाल और अरुण कुमार सक्सेना उद्यमियों को नए भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहे उत्तर प्रदेश की खूबियों के बारे में बताएंगे। वहीं, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अगुवाई में कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास अरविंद कुमार, नोएडा अथारिटी की सीईओ रितू माहेश्वरी, यीडा के सीईओ अरुण वीर सिंह, इन्वेस्ट यूपी के सीईओ अभिषेक प्रकाश और मुख्यमंत्री के सलाहकार केवी राजू, प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति देगी और और उद्यमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करेंगे। दिल्ली में मंत्रियों और अधिकारियों की टीम एक दर्जन से अधिक दिग्गज उद्योगपतियों से वन टू वन मुलाकात करेगी जबकि रोड शो में चार दर्जन से अधिक उद्योगपति शामिल होंगे।

03 तीन कैबिनेट और तीन राज्य मंत्री होंगे शामिल रोड शो में

सुबह से ही शुरू हो जाएगा बैठकों का दौर : मंत्रियों और अधिकारियों के तय कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को ओबराय होटल में सुबह 10 बजे से 11:30 बजे तक बीटूजी मीटिंग का दौर चलेगा, जिसमें नोएडा पावर कारपोरेशन के एमडी एवं सीईओ प्रेम कुमार रंजन, सिप्ला लिमिटेड के सौरभ परमार, रेडिसन होटल के साउथ एशिया के सीनियर डायरेक्टर डवलपमेंट के देवाशीष श्रीवास्तव, टाटा ग्रुप के महाप्रबंधक यतीम आर्य, केआरएस नेटवर्क्स के ग्लोबल सीईओ मनीष कुमार हांडा, एयर लिक्विड इंडिया के एमडी बेनोइत रेनाड, हिंदुस्तान स्यरिंग्स एंड मेडिकल्स डिवाइस के एमडी राजीव नाथ मौजूद रहेंगे। वहीं, पाली मेडिकेयर के एमडी हिमांशु, पेपफ्यूल्स के सीईओ टिकेंद्र यादव, मैक्स वेंचर एंड इंडस्ट्रीज के सीईओ साहिल वचानी, गेल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आरके सिंघल, मेडट्रोनिक के वीपी इंडिया मदन कृष्णन, आनंदा ग्रुप के सीएमडी राधेश्याम दीक्षित, महान मिल्क फूड्स के चेयरमैन संजीव गोयल और सोम ग्रुप के सीईओ दीपक अरोड़ा दिग्गज भी बीटूजी मीटिंग के अगले चरण में शामिल होंगे। मीटिंग के बाद रोड शो होगा, जिसमें करीब चार दर्जन से अधिक उद्योगपति शामिल होंगे।